जल जीवन मिशन का वर्ष 2028 तक विस्तार

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

केंद्रीय बजट 2025-26 में शेष (20%) ग्रामीण परिवारों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से **जल जीवन मिशन (JJM) की अवधि** को **वर्ष 2028** तक बढ़ा दिया गया है।

जल जीवन मिशन (JJM):

- **जल जीवन मिशन:** JJM को **वर्ष 2019 में लॉन्च किया** गया था, जिसका उद्देश्य **वर्ष 2024** तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को **प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर** पेयजल उपलब्ध कराना है।
- **प्रगति:** वर्ष 2019 में केवल **3.23 करोड़ (17%)** ग्रामीण परिवारों के पास नल जल कनेक्शन उपलब्ध थे।
  - वर्ष 2024 तक, इसमें **15 करोड़ परिवार** (ग्रामीण भारत का **80%)** शामिल किये गए।
- **फोकस**: मिशन के विस्तार में **बुनियादी ढाँचे की गुणवत्ता में सुधार लाने** और ग्रामीण पाइप जलापूर्ति प्रणालियों के **संचालन और रखरखाव** को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें सार्वजनिक भागीदारी पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा।
- **समझौता ज्ञापन (MOU)**: **स्थिरता और नागरिक-केंद्रित जल सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिये राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ नए समझौता ज्ञापनों** पर हस्ताक्षर किये जाएंगे।

JJM का प्रभाव:

- **समय की बचत:** विश्व स्वास्थ्य संगठन **का अनुमान है कि JJM से प्रतिदिन 5.5 करोड़ घंटे** की बचत होगी, जो मुख्य रूप से महिलाओं के लिये पानी इकट्ठा करने में खर्च होता है।
- **स्वास्थ्य लाभ:** JJM से डायरिया रोगों से होने वाली लगभग **400,000 मौतों** को रोका जा सकता है तथा **14 मिलियन विकलांगता-समायोजित जीवन वर्षों (Disability-Adjusted Life Years-DALYs)** को बचाया जा सकता हैं।
- **शिशु मृत्यु दर में कमी:** शोध से पता चलता है कि सुरक्षित जल से शिशु मृत्यु दर में **30%** की कमी आ सकती है, जिससे प्रतिवर्ष 136,000 लोगों की जान बच सकती है।

//

जल जीवन मिशन (हर घर जल)

शुरुआत:
15 अगस्त, 2019

उद्देश्य:

- कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर जल उपलब्ध कराना।

क्रियान्वयन:

- **जलशक्ति मंत्रालय:** नोडल मंत्रालय
- **पानी समितियाँ:** गाँव में जलापूर्ति प्रणाली की योजना तैयार करना, उसका क्रियान्वयन करना, प्रबंधन और रख-रखाव करना।
  - सदस्य: **10-15** (कम-से-कम **50%** प्रतिशत महिलाएँ)

- गोवा तथा दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव (D-NH and D-D) देश में क्रमशः पहले 'हर घर जल' प्रमाणित राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हैं।

वित्तीयन प्रतिरूप:

- केंद्र प्रायोजित योजना
  - केंद्र : हिमालयी तथा पूर्वोत्तर राज्य- **90:10**
  - केंद्र : अन्य राज्य - **50:50**
  - केंद्रशासित प्रदेशों के मामले में **100%** केंद्र द्वारा

प्रमुख घटक:

- बॉटम-अप प्लानिंग
- महिला सशक्तीकरण
- भविष्य की पीढ़ियों पर विशेष ध्यान
- कौशल विकास और रोज़गार सृजन
- धूसर जल का प्रबंधन
- स्रोत की संधारणीयता

और पढ़ें: जल जीवन मिशन (JJM)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jal-jeevan-mission-extended-till-2028